

दिव्य ज्योति

‘ज्योत से ज्योत जगाओ’ का पद ३

शीश झुकाए करें तेरी आरती, [२X]
प्रेमसुधा बरसाओ,
सद्गुरु ज्योत से ज्योत जगाओ ॥



© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।